जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय

(दिल्ली वश्ववद्यालय)

दिनांक :– 15 सतंबर 2025

वषय :- राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की चुनौतियां

15 सतंबर 2025 को जानकी देवी मेमोरियल महा वद्यालय की 'पराग' हिंदी साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में संगोष्ठी कक्ष में प्रातः 10 बजे से कार्यक्रम आयोजित कया गया। संगोष्ठी में प्रथम वक्ता के रूप में प्रो. हेमलता महिश्वर और प्रो. रामनारायण पटेल जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलत करके कया गया। आज के हिंदी सप्ताह की शुरुआत प्राचार्य प्रो. स्वाति पाल मैम के आशीर्वचनों के साथ हुई। मैम ने सभा को संबोधत करते हुए हिंदी भाषी व्यक्तियों के मनोभावों को बताया। उन्होंने कहा कहमें भाषा सीखने के लए हमें भाषा से दोस्ती करनी होगी। उसके प्रति प्रेम भाव रखना होगा। तत्पश्चात कार्यक्रम की प्रथम वक्ता प्रो. हेमलता महिश्वर जी ने अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में भाषा के राष्ट्रभाषा बनाने की चुनौतियों की दशा को स्पष्ट कया। साथ ही उन्होंने भाषा की तटस्थता, उसकी महत्ता पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने सुनामी जैसे छोटे छोटे उदाहरणों के माध्यम से अपनी बातों की पुष्टि की। उन्होंने सांस्कृतिक एकता को बताते हुए हिंदी की वज्ञान और तकनीक जैसे वषयों में उपयोगता को स्पष्ट कया। राष्ट्रभाषा हिंदी के रूप में चुनौतियों के समाधान हेतु चर्चा भी की गई । संगोष्ठी के दूसरे वक्ता के रूप में प्रो. रामनारायण पटेल जी उपस्थित रहे। उन्होंने हिंदी की राजनीतिक वकास यात्रा को बताया। प्राचीन काल से लेकर स्वातंत्र्योत्तर भारत तक हिंदी ने अपने आपको वकसत कया है। उन्होंने पुनर्जागरण काल में योगदान देने वाले राजा राम मोहन राय, दयानंद सरस्वती जैसे नामों का उल्लेख कया। उन्होंने हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में स्थापत कया। उन्होंने 1835 के मैकाले की शक्षा शक्षा नीति को आधार बनाते हुए अपनी बातों को स्पष्ट कया।कार्यक्रम में कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो. संध्या गर्ग मैम ने मार्गदर्शन कया। उन्होंने बताया कहिंदी का वज्ञान और तकनीक में प्रयोग होना, भाषा को सुदृढ़ व सशक्त बनाने का प्रयास कया जा रहा है। उन्होंने हिंदी की व्यावहारिक और मानक भाषा के प्रयोग में अंतर कया। डॉ. वनीता रानी मैम ने अपनी जिज्ञासा को वक्ताओं के समक्ष रखते हुए उन्होंने हिंदी में होते अनुवाद कार्य और राष्ट्रभाषा के रूप में अपने प्रश्नों को उजागर कया। उनके प्रश्नों का समाधान कॉलेज की उप प्राचार्य ने कया। कार्यक्रम का समापन डॉ. रजनी बाला अनुरागी मैम के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभी वक्ताओं को धन्यवाद कया। उन्होंने जय कौशल की रिपोर्ट को आधार बनाकर कहा कउत्तर - पूर्व राज्यों में 200 200 से अधक भाषा हैं , जिनमें हिंदी संपर्क भाषा के रूप में वद्यमान है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कभाषा से प्रेम करो। मैम ने केन्याई लेखक का उदाहरण देते हुए बताया कऔपनिवेशक काल में जब तक वह अंग्रेजी भाषा भाषा में लखते रहे तब तक वे सम्मानित होते रहे और जब अपनी भाषा में लखने लगे तब उन्हें जेल जाना पड़ा। पड़ा।

आज की संगोष्ठी से छात्राएं लाभान्वित हुई। उन्हें हिंदी के राष्ट्रभाषा के रूप में चुनौतियों की समझ वकसत छात्राओं में तार्कक क्षमता का वकास हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने के लए संयोजक डॉ रजनी बाला अनुरागी अनुरागी मैम और औरजीना मैरी लाकाडोंग समेत समस्त पराग के सदस्यों को साधुवाद।

Delhi, Delhi, India

Delhi, Delhi, India

Delhi, Delhi, India

Delhi, Delhi, India

Delhi, Delhi, India

जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय

(दिल्ली वश्ववद्यालय)

दिनांक :– 16 सतंबर 2025

निबंध लेखन प्रतियोगता

वषय :- कृत्रिम बुद्धमत्ता : संभावनाएं और चुनौतियां

16 सतम्बर **2025** को जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय द्वारा 'पराग' हिंदी साहित्यिक संस्था के में आयोजित हिंदी सप्ताह के अंतर्गत अंतरमहावद्यालयीय निबंध लेखन प्रतियोगता कक्ष संख्या **17** में आयोजित की गई। दिल्ली वश्ववद्यालय के वभन्न कॉलेजों के **53** वद्यार्थी पंजीकृत हुए। निबंध प्रतियोगता का का वषय कृत्रिम बुद्धमत्ताः संभावनाएं और चुनौतियां । निबंध प्रतियोगता में वभन्न महावद्यालयों से आए हुए हुए छात्र-छात्राओं ने भी अपनी भरपूर सहभागता दिखाई। छात्र-छात्राओं में निबंध प्रतियोगता के प्रति काफी उत्साह भी देखा गया। सभी प्रतिभागयों ने निबंध में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन कया। आज की प्रतियोगता प्रतियोगता से छात्राओं के भीतर रचनात्मक कौशल का वकास हुआ। दिए गए वषय कृत्रिम बुद्धमत्ता के उपलक्ष्य में उन्होंने अपने वचारों को प्रकट कया। प्रतियोगता को सफल बनाने के लए संयोजक डॉ रजनी बाला बाला अनुरागी मैम और औरजीना मैरी लाकाडोंग मैम समेत समस्त पराग के सभी सदस्यों को साधुवाद ।

जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय

(दिल्ली वश्ववद्यालय)

दिनांक :– 17 सतंबर 2025

सद्य लेखन प्रतियोगता

वषय :- बरसात में हमसे मले तुम, तुमसे मले हम

17 सतम्बर **2025** को जानकी देवी मेमोरियल महा वद्यालय द्वारा 'पराग' हिंदी साहित्यिक संस्था के में हिंदी सप्ताह के अंतर्गत अंतर महा वद्यालयीय सद्य लेखन प्रतियोगता कक्ष संख्या **17** में आयोजित कया गया। सद्य लेखन का वषय "बरसात में हमसे मले तुम, तुमसे मले हम" रहा। वभन्न महावद्यालयों से छात्र एवं एवं छात्राओं ने अपनी सहभा गता दी।दिल्ली वश्ववद्यालय के वभन्न कॉलेजों के **48** वद्यार्थी पंजीकृत हुए। प्रतिभा गयों ने अपनी सृजनात्मकता का प्रयोग कर सद्य लेखन को अपने शब्दों से सजाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लए संयोजक डॉ. रजनी बाला अनुरागी मैम और औरजीना मैरी लाकाडोंग मैम समेत पराग के समस्त सदस्यों को साधुवाद।

जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय

(दिल्ली वश्ववद्यालय)

दिनांक :– 18 सतंबर 2025

वषय :– अंतर महावद्यालयीय स्वरचत कवता प्रतियोगता

18 सतंबर **2025** को जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय की 'पराग' हिंदी साहित्यिक संस्था के तत्त्वावधान में संगोष्ठी कक्ष में प्रातः **10** बजे से अंतर महावद्यालयीय स्वरचत कवता प्रतियोगता आयोजित की गई। दिल्ली वश्ववद्यालय के वभन्न कॉलेजों के **55** वद्यार्थी पंजीकृत हुए । प्रतियोगता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. राजकुमारी और प्रो. अमता मैम उपस्थित रहे। प्रतिभागयों ने अपने रचनात्मक कौशल का प्रयोग करते हुए भन्न भन्न – भन्न वषयों पर कवता प्रस्तुत की। आज संपूर्ण सभागार में जहां एक ओर देश भक्ति का आगाज हुआ वहीं दूसरी ओर नारी, प्रेम , वास्तवकता जैसे वषय की गूंज भी सुनाई दी। आज कप्रतियोगता ना सर्फ कवता वाचन पर आकर रुकी बल्कि इसने भावनाओं को भी जागृत कया। प्रतिभागयों का ना सर्फ रचनात्मक कौशल सभी के सामने आया बल्कि सभी की कवताओं को प्रोत्साहित करते हुए उनकी सराहना भी की गई।

प्रतियोगता के अंत में निर्णायक मंडल द्वारा भी कवता पाठ रहा । साथ ही प्रो. सुधा उपाध्याय मैम ने अपनी प्रथम प्रेम वषय पर कवता को सभी के साथ साझा कया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लए संयोजक डॉ. रजनी रजनी बाला अनुरागी मैम और औरजीना मैरी लाकाडोंग मैम समेत समस्त पराग के सदस्यों को साधुवाद।

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642376° Long 77.191717°
18/09/2025 10:51 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642316° Long 77.191713°
18/09/2025 10:50 AM GMT +05:30

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642309° Long 77.191773°
18/09/2025 12:51 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642308° Long 77.191727°
18/09/2025 12:50 PM GMT +05:30

जानकी देवी मेमोरियल महावद्यालय

(दिल्ली वश्ववद्यालय)

दिनांक :– 19 सतम्बर 2025

हिंदी सप्ताह : समापन सत्र

वषय :–सांस्कृतिक एकीकरण और हिंदी

19 सतम्बर **2025** को जानकी देवी मेमोरियल महा वद्यालय द्वारा पराग हिंदी साहित्यिक संस्था के तत्त्वावधान में हिंदी सप्ताह का समापन सत्र पूर्ण हुआ। आज के समापन में वशष्ट अतिथ के रूप में प्रो. अनिल राय समेत समस्त हिन्दी वभाग के शक्षकों की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रो.अनिल राय सर ने दिए गए वषय पर अपने वचारों को साझा कया। उन्होंने अपने संपूर्ण वक्तव्य में हिंदी भाषा को सांस्कृतिक एकता के रूप में देखा। सर ने हिंदी भाषा को सांस्कृतिक वरासत की उपमा देते हुए वभन्न प्रसंगों का उल्लेख कया। उन्होंने मणपुर के नृत्य का नृत्य का उदाहरण देते हुए कहा कहिंदी भाषा कस प्रकार भारतीय संस्कृति में घुल मल गई हैं। उन्होंने शंकरदेव , शंकरदेव , चैतन्य महाप्रभु , जायसी , वद्यापति जैसे कई नामों का उल्लेख कया। उन्होंने पब्लिक लैंग्वेज ऑफ इंडया का सर्वे बताते हुए कहा क हिंदी अगले **50** वर्षों के पश्चात अंग्रेजी भाषा को पीछे छोड़ते हुए स्वयं को प्रतिष्ठित कर लेगी। इसके कारण बताते हुए उन्होंने कहा कहिंदी सेतु भाषा अर्थात सम्पर्क भाषा के रूप में वद्यमान हैं। साथ ही यह हमारी संस्कृति को जोड़ने का कार्य भी करती है। इसके पीछे भूमंडलीकरण के युग को जिम्मेदार ठहराया। सर के वक्तव्य के पश्चात हिंदी सप्ताह के दौरान हुई वभन्न प्रतियोगताओं के पुरस्कारों का वतरण भी रहा। आज के संपूर्ण कार्यक्रम से छात्राएं लाभान्वित हुई। साथ ही सभी प्रतिभागयों को आगे और बेहतर करने के लए प्रोत्साहित कया गया। सर के व्याख्यान के बाद श्रोता गण के भीतर हिंदी के प्रति सचेतनता का वकास हुआ। साथ ही हिंदी के प्रति सम्मान भाव के साथ वर्तमान में बदलाव लाने के प्रेरित हुए। छात्राओं के भीतर बौद्धक वकास हुआ। सर ने छात्राओं के प्रश्नों का समाधान कया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लए संयोजक डॉ रजनी बाला अनुरागी मैम और औरजीना मैरी लाकाडोंग मैम समेत समस्त पराग के सदस्यों को साधुवाद।

Delhi, Delhi, India

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar, Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642256° Long 77.191737°
19/09/2025 12:47 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
Staff Quarters, Janki Devi Memorial College, Old Rajinder Nagar,
Rajinder Nagar, Delhi, Delhi 110060, India
Lat 28.642288° Long 77.191735°
19/09/2025 02:19 PM GMT +05:30
Google